फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 26 जुलाई. पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मोहना थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक फर्जी इंटरनेशनल कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों

4 आरोपी गिरफ्तार

अमेरिकी नागरिकों को लोन दिलाने के नाम पर करते थे ठगी

मास्टरमाइंड फरार

को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को अमेरिका की लेंडिंग क्लब कंपनी का एजेंट बताकर अमेरिकी नागरिकों से लोन के नाम पर ऑनलाइन ठगी करते थे।

25 जुलाई शनिवार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एनएच-46 स्थित जैनपथ होटल के कमरों में कुछ लोग फर्जी कॉल

सेंटर चलाकर विदेशी नागरिकों से ठगी कर रहे हैं। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर और एसडीओपी घाटीगांव शैलेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मोहना विनय सिंह तोमर के नेतृत्व में टीम ने होटल पर दबिश दी। दबिश के दौरान कमरा नंबर 6 में चार युवक लैपटॉप पर काम करते मिले। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले करीब पांच माह से जैनपथ होटल में रहकर प्रवल प्रताप सिंह परिहार के निर्देश पर कॉल सेंटर चला रहे थे। आरोपी व्हाट्सएप और ई-मेल के जरिए अमेरिकी नागरिकों का डेटा हासिल करते थे। फिर खुद को लेंडिंग क्लब कंपनी का एजेंट बताकर लोन स्वीकृत कराने का झांसा देते थे। इसके बाद पीड़ितों से सोशल सिक्योरिटी नंबर, बैंक डिटेल और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर एप्पल गिफ्ट कार्ड, नाइकी गिफ्ट कार्ड और अन्य गिफ्ट वाउचर लेकर ठगी करते थे।

बातचीत के दौरान आरोपी अपनी पहचान छिपाने के लिए अमेरिकी नामों का इस्तेमाल करते थे। राजपूत अभिषेक खुद को फ्रैंक, शुभोम घोष लुइस हैमिलटन और आर्यन राजपूत ब्रूस बताता था।

आरोपियों ने बताया कि प्रवल प्रताप सिंह परिहार उन्हें हर महीने 15 से 20 हजार रुपये नकद वेतन देता था और जितनी ठगी की रकम होती थी, उस पर 5 प्रतिशत कमीशन भी हमें दिया जाता था।

ठगी का संचालक मास्टरमाइंड प्रवल प्रताप सिंह परिहार फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

पकड़े गये आरोपी

1. अभिषेक राजपूत राजकुमार, 26 वर्ष, निवासी धनपालेश्वर सोसायटी, विनजोल क्रॉसिंग के पास, वटवा, अहमदाबाद, गुजरात
2. शिवेन्द्र नरेन्द्र सिंह परिहार उर्फ राजन, 31 वर्ष, निवासी कृष्णा पार्क सोसायटी, आराधना पार्क, घोड़ासर, अहमदाबाद, गुजरात
3. आर्यन राजपूत उर्फ लाला, 20 वर्ष, निवासी गोंदू कंपाउंड, सिविल लाइन, सीपरी बाजार, झांसी, उत्तर प्रदेश
4. शुभोम घोष उर्फ शुभम, 23 वर्ष, निवासी दुकाबी जिमोमी कॉलोनी, ढीमापुर सदर, रंगापहर क्रॉसिंग, ढीमापुर, नागालैंड के रूप में हुई है

जब्त सामग्री

4 लैपटॉप, 7 मोबाइल फोन, 4 हेडफोन, 3 चार्जर, ठगी में प्रयुक्त अंग्रेजी स्क्रिप्ट, कस्टमर डिटेल और अन्य दस्तावेज। जब्त माल की कीमत लगभग 3 लाख 75 हजार रुपये आंकी गई है।

मल्टीलेवल पार्किंग में भरा पानी, खाली करने हुईं दो बोरिंग

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 26 जुलाई. महाराज बाड़ा स्थित मल्टीलेवल कार पार्किंग के बेसमेंट या तलघर में भरे पानी को खाली करने के लिए नगर निगम के पीएचई विभाग द्वारा 350 फीट गहरी दो बड़ी बोरिंग कराई गई हैं। इन बोरिंगों

10 फीट पानी में डूबा तलघर बोरिंगों से सैकड़ों घरों को मिलेगा पानी

को नगर निगम की पानी सप्लाई करने वाली लाइनों से जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को पानी की नियमित आपूर्ति हो सकेगी।

क्यों करनी पड़ी बोरिंग?

महाराज बाड़ा क्षेत्र में भू-जलस्तर बढ़ने के कारण प्रतिदिन मल्टीलेवल कार पार्किंग की बोरिंग से हजारों लीटर पानी निकल रहा है, जिससे नीचे वाले तल में लगभग 8 से 10 फीट तक पानी भरा हुआ है। गत दिनों नगरीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए थे कि इस पानी का सदुपयोग किया जाए। इसी निर्देश का पालन करते हुए पीएचई विभाग ने ये दो बोरिंग कराई हैं, जिससे धीरे-धीरे वाटर लेवल कम होगा और बेसमेंट से पानी निकलना बंद हो जाएगा।

पार्किंग में सुधरेगी व्यवस्था, 550 कारें हो सकेंगी पार्क

महाराज बाड़ा पर टोपी बाजार, सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट जैसे कई प्रमुख बाजार हैं, जिस कारण यहां भारी संख्या में वाहन आते हैं। वर्तमान में यहाँ लगभग 200 कारें ही पार्क हो पा रही हैं क्योंकि लोअर फ्लोर पर पानी भरा हुआ है। पानी पूरी तरह निकलने के बाद दोनों फ्लोर चालू कर दिए जाएंगे, जिससे पार्किंग क्षमता बढ़कर 550 कारों की हो जाएगी।

पिछली बारिश से बढ़ा है वाटर लेवल

जानकारी के अनुसार महाराज बाड़ा स्थित गजराराजा विद्यालय के स्टेटकाल के समय की प्राचीन बावड़ी में आज भी 22 फीट पर पानी भरा हुआ है। इसके साथ ही गोरखी में स्थित प्राचीन कुआं भी अभी तक लबालब बना हुआ है, जिससे आसपास के क्षेत्र में भू-जलस्तर उच्च बना हुआ है।

प्रोजेक्ट इंजीनियर, स्मार्ट सिटी अंकित शर्मा ने बताया कि नगर निगम के पीएचई विभाग ने महाराज बाड़ा मल्टीलेवल कार पार्किंग में 2 बोरिंग कर दी हैं, इन बोरिंगों के पानी को क्षेत्र में पानी सप्लाई करने वाली लाइनों से जोड़ा जाएगा।

लिंक पर क्लिक करते ही उड़ गए 2 .25 लाख

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 26 जुलाई. साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड की अनावश्यक सर्विस बंद करने का झांसा देकर एक सरकारी अधिकारी से 2 लाख 25 हजार

क्रेडिट कार्ड डीएक्टिवेट के नाम पर साइबर ठगी

190 रुपए ठग लिए। घटना 1 जुलाई को महाराज बाड़ा इलाके में हुई। पीड़ित अजय कुमार द्विवेदी पुत्र सुरेन्द्र कुमार द्विवेदी, निवासी कर्मचारी आवास कॉलोनी महलगांव, ग्रामीण उद्यानिकी विकास अधिकारी हैं और वर्तमान में हटा दमोह में पदस्थ हैं। वह 15 जून को छुट्टी लेकर अपने छोटे भाई की शादी में शामिल होने ग्वालियर आए थे।

1 जुलाई को वह परिवार के साथ महाराज बाड़ा पर शादी की खरीददारी कर रहे थे, तभी उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड पर बिना काम की सर्विस चल रही हैं, जिसे बंद न करने पर पैसे कट जाएंगे। ठग ने सर्विस डीएक्टिवेट करने के नाम पर उनके व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजी। फरियादी ने व्यस्तता में लिंक ओपन कर दिए गए ऑप्शन पर क्लिक किया और मोबाइल जेब में रख लिया।

4 ट्रांजेक्शन में 2.25 लाख पार

शाम करीब 8 बजे जब उन्होंने मोबाइल देखा तो होश उड़ गए। उनके एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 1,27,990, 49,000, 46,000 और 2,200 रुपए निकाल लिए गए थे। धोखाधड़ी का एहसास होते ही उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। इसके बाद मामला विश्वविद्यालय थाने पहुंचा, जहां पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि कोई भी बैंक या आधिकारिक संस्था कभी भी सर्विस बंद करने के लिए व्हाट्सएप या एमएमएस पर लिंक नहीं भेजती। अनजान नंबर से आए किसी भी लिंक पर क्लिक न करें.

प्रधानमंत्री ने 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' में शामिल युवाओं से किया वर्चुअल संवाद

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 26 जुलाई. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार 26 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2026' के तहत सीमावर्ती गाँवों का

कलेक्टर की मौजूदगी में ग्वालियर के युवा भी शामिल हुए संवाद में

ग्वालियर के एक युवा विक्रम सिंह बघेल भी भ्रमण करने गए थे

भ्रमण करकर लौटे माय भारत केन्द्र से जुड़े युवाओं से वर्चुअल संवाद किया और उनके अनुभव सुने। यहां ग्वालियर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की मौजूदगी में ग्वालियर जिले के विद्यार्थियों व युवाओं ने भी सीधे प्रसारण के जरिए इस

संवाद को देखा व सुना। ग्वालियर जिले के युवा श्री विक्रम सिंह बघेल भी 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2026' के तहत देश के सीमावर्ती गाँवों के भ्रमण पर गए युवाओं में शामिल हैं। एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत व माय भारत केन्द्र की जिला युवा अधिकारी सुश्री अंजली कुमारी भी उपस्थित थीं।

'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2026' कार्यक्रम का आयोजन 4 जून से 30 जून तक किया गया था। जिसमें चयनित युवाओं को लद्दाख, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट विलेज (देश के सीमावर्ती गाँव) का भ्रमण कराया गया। माय भारत केन्द्र के माध्यम से देश भर में इस कार्यक्रम को मूर्तरूप दिया गया है। उल्लेखनीय है कि देशव्यापी ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के जरिए 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2026' के लिये देश के विभिन्न राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों से 400 से ज्यादा युवा प्रतिभागियों को चुना गया था। जिसमें ग्वालियर जिले के युवा श्री विक्रम सिंह बघेल भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'माय भारत' मंच से अब तक देश के 2.5 करोड़ से अधिक युवा जुड़ चुके हैं। उन्होंने सीमावर्ती गाँवों को अंतिम गाँव न कहकर पहला गाँव बताते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में देश भक्ति के जज्बे के साथ रह रहे लोगों को करीब से देखना जीवन बदलने वाला अनुभव है। देश के युवाओं ने सीमावर्ती गाँव की यात्रा के दौरान सड़क, बिजली, नल से जल जैसे बुनियादी विकास के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति और अद्भुत आतिथ्य सत्कार को समझा है। प्रधानमंत्री ने इस भ्रमण को 'विकसित भारत' के संकल्प की मजबूत आधारशिला बताया। साथ ही युवाओं से अपने अनुभवों को सोशल मीडिया व कंटेंट क्रिएटर के माध्यम से साझा करने, वहां के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और अन्य युवाओं को भी सीमावर्ती गाँवों का भ्रमण करने के लिये प्रेरित करने का आह्वान किया।

कलेक्टर ने युवाओं को बताए सफलता के मंत्र

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इस अवसर पर ग्वालियर के युवाओं से आत्मीय बातचीत की। उन्होंने अपने स्कूली और महाविद्यालयीन जीवन और अपनी सफलता के संस्मरण साझा किए। साथ ही कहा कि समय का सही उपयोग एवं मेहनत कर बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से खाली समय का सदुपयोग रचनात्मक कार्यों में करने के लिये कहा। साथ ही आह्वान किया कि वे समाज को जल संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूक करें।

व्यवसायी ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

ग्वालियर 26 जुलाई. कोतवाली थाना क्षेत्र के दौलतगंज स्थित निम्बालकर की गोठ में एक फर्नीचर व्यवसायी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है।

मृतक की पहचान नीरज राठौर पुत्र ताराचंद राठौर के रूप में हुई है। वह दौलतगंज का रहने वाला है और खुर्जे वाले मोहल्ले में उसकी फर्नीचर की दुकान है। परिजनों के अनुसार, बीती रात वह रोज की तरह दुकान से घर आया था। खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद परिजन किसी काम से उसके कमरे में गए तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक खटखटाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो खिड़की से झांककर देखा, जहां वह मृत अवस्था में मिला। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चौकीदार हत्याकांड का 10 दिन बाद खुलासा

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 26 जुलाई. शहर के झांसी रोड थाना क्षेत्र में 15 दिन पहले हुए चौकीदार हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

थाना प्रभारी झांसी रोड शक्ति

शराब के बाद बहस बनी कत्ल की वजह

यादव ने बताया कि 11 जुलाई को नौदन पुल के पास पुरानी ईंट भट्टे के गोदाम के पास एक चौकीदार का शव मिला था। मृतक की

पहचान परदेशी बाबा उर्फ बोंटू उम्र 65 साल के रूप में हुई थी। वह मूल रूप से बिलासपुर छत्तीसगढ़ का रहने वाला था और पिछले 30-35 साल से यहां चौकीदारी कर रहा था। मौके से पुलिस को खून से सना एक डंडा भी मिला था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि वहां पर सीसीटीवी नहीं लगे थे। इसके बाद मामले की जांच की जिम्मेदारी एएसआई आशीष शर्मा को दी गई। पुलिस को पता चला कि अक्सर यहां पर दारू पीने और गंजा पीने वाले आते हैं लऔर उनसे ही परदेशी बाबा को खाना व अन्य सामान मिल जाता था। बाबा भी नशा का आदी था। इसका पता चलते ही पुलिस ने बाबा के पास आने जाने वालों की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया।

इनका कहना है..

चौकीदार के ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर दिया है। घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। पता चला है कि आरोपी और चौकीदार में नशा करते समय बहस हुई और आरोपी ने डंडे से वार कर हत्या की है।

- शक्ति सिंह यादव
थाना प्रभारी झांसी रोड

बाबा से मिला सुराग

पुलिस पूछताछ के दौरान एक बाबा ने बताया कि एक युवक अक्सर आता था और घटना के चार दिन बाद भी उसे मिला था। वह नशे में था और उसे धमका रहा था कि जैसे परदेशी बाबा को निपटा दिया, उसे भी निपटा देगा। इसका पता पुलिस को चला तो उसकी तलाश की तो एक स्थान पर उसके सीसीटीवी फुटेज मिले। जिसके आधार पर पुलिस उसकी तलाश करती हुई महलगांव पहुंची, तब पता चला कि युवक कल्लो उर्फ कल्ला पाल पुत्र भूरा पाल निवासी मुगलपुरा बिजौली है। साथ ही पता चला कि वह यहां पर किराए से रहता है।

नशे की हालत में हुई घटना

आरोपी का कहना है कि उसने और बाबा ने नशा किया था, नशा बाबा पर हावी हुआ और वह झगड़ने लगा। इस पर उसे गुस्सा आया और उसने पास ही पड़ा डंडे से उस पर हमला कर दिया। कुछ ही बार में उसकी जान चली गई और इसके बाद वह फरार गया। साथ ही बताया कि वह पुलिस से बचने के लिए हर समय भागता रहा था, क्योंकि उसे डर था कि अगर वह एक जगह रुका तो पुलिस उसे उठा ले जाएगी।

दस दिन की तलाश में लगा हाथ

आरोपी की पहचान होते ही पुलिस उसकी गांव पहुंची तो पता चला कि वह वहां पर आया ही नहीं है। इसका पता चलते ही उसके संभावित स्थानों पर दबिश दी और रविवार को उसे पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

श्रीमद् भागवत कथा की तैयारियों को लेकर बैठक हुई

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 26 जुलाई. शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन नबंबर माह में कराया जा रहा है। अनिरूद्ध आचार्य महाराज द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया जायेगा। कथा 30 नवंबर से 7 दिसंबर तक फूलबाग मैदान पर होगी। कथा की तैयारियों को लेकर जन उत्थान न्यास द्वारा गठित मुख्य आयोजन समिति की बृहद बैठक आज जी.वाय.एम.सी क्लब में आयोजित की गई। बैठक में श्रीमद् भागवत कथा के सूत्रधार, न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, महेश मुदगल्, अचलेश्वर न्यास अध्यक्ष हरिदास अग्रवाल, संतोष सिंह भदौरिया गुरू, रामबाबू कटारे, गिर्राज गुरूजी, व्यवसायी अशोक गोयल, धमेन्द्र बुकोलिया, पुरूषोत्तम भार्गव, मुकेश गुप्ता आदि मंचासीन रहे। बैठक का संचालन डॉ. राकेश अग्रवाल ने किया एवं आभार राजीव चड्ढा, राम पाण्डे एवं कुट्टा पहलवान ने व्यक्त किया।

बैठक में महेश मुदगल् ने कहा कि कार्यालय के उद्घाटन एवं कथा का समय अगली बैठक तक तय कर लिया जायेगा।सतेन्द्र गुरूजी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा सुनने से पापों से मुक्ति, मोक्ष की प्राप्ति और मानसिक शांति जैसे लाभ मिलते है। अचलेश्वर न्यास अध्यक्ष हरिदास अग्रवाल ने कहा कि सतीश सिकरवार ने जो भागवत कथा कराने का संकल्प लिया है वह सरहानीय है। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी अशोक गोयल ने भागवत कथा में यजमान बनने की स्वीकृति देते हुये कहा कि विधायक डॉ. सिकरवार जनहित से जुडे हुये कार्यक्रम विवाह सम्मेलन, क्रिकेट टूर्नामेंट, रक्षाबंधन पर बहनों का सम्मान, मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, शिक्षक सम्मान समारोह जैसे कई बड़े-बड़े आयोजन वर्षभर करते है। श्रीमद् भागवत कथा के सूत्रधार, न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि आचार्य अनुरूदाचार्य जी की कथा आयोजन की इस बैठक में आप सभी के विचार एवं सुझाव मिले।

बैठक में एस.के. गुप्ता, न्यास कोषाध्यक्ष अवध धाकरे, रमेशचन्द्र गोयल 'लल्ला', विनोद जैन, जहान सिंह तोमर, प्रतीक जैन, राहुल गुर्जर, रामअवतार जाटव, पार्षद केदार सिंह बरहादिया आदि मौजूद रहे।

हर घुटने के दर्द या गठिया में सर्जरी जरूरी नहीं : डॉ . वैश्य

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 26 जुलाई. देश के वरिष्ठ आर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. राजू वैश्य के नवीनतम अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशन ने घुटने के दर्द और ऑस्टियोआर्थराइटिस (गठिया) के उपचार को लेकर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है—हर घुटने के दर्द या गठिया के मरीज को सर्जरी अथवा घुटना प्रत्यारोपण (नी रिप्लेसमेंट) की आवश्यकता नहीं होती। अधिकांश मरीजों का उपचार सही समय पर दवाओं, वजन नियंत्रण, फिजियोथेरेपी, व्यायाम, जीवनशैली में बदलाव तथा अन्य गैर-सर्जिकल उपायों से प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण वर्तमान वैज्ञानिक साक्ष्यों के अनुरूप है। इसके अलावा, हमारे शोध में ऑस्टियोआर्थराइटिस के 6 उपप्रकारों की पहचान की गई है, और प्रत्येक उपप्रकार के लिए

अलग उपचार रणनीतियों की आवश्यकता होती है। डॉ. वैश्य का यह शोध हाल ही में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक डेटाबेस पबमेड में प्रकाशित हुआ है, जिसमें घुटने के दर्द और गठिया के आधुनिक, साक्ष्य-आधारित प्रबंधन पर विशेष बल दिया गया है।

डॉ. (प्रो.) राजू वैश्य, सीनियर कंसल्टैंटऑर्थोपेडिकएवं जॉईंट रिप्लेसमेंट सर्जन, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा, 'आजकल कई लोग घुटने में दर्द शुरू होते ही यह मान लेते हैं कि अब ऑपरेशन ही एकमात्र विकल्प है। जबकि वास्तविकता यह है कि अधिकांश मरीजों को सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती।

इस बारे में बात करते हुए, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स में ऑर्थोपेडिक्स के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अभिषेक वैश, जो डॉ. राजू वैश्य के साथ रेगुलर ऑर्थोपेडिक ओपीडी के लिए भी आएंगे, ने कहा, 'कई मरीज़ सालों तक घुटने के दर्द के साथ जीते रहते हैं, यह सोचकर कि यह उम्र बढ़ने का एक सामान्य हिस्सा है। असल में, समय पर जांच से दर्द की वजह का जल्दी पता चल सकता है और मरीज़ की हालत के आधार पर इलाज के कई विकल्प मिल सकते हैं - जैसे फिजियोथेरेपी और दवा से लेकर कम चीर-फाड़ वाली प्रक्रियाएं (मिनिमली इनवेसिव प्रोसीजर) और रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट तक। ग्वालियर में इन रेगुलर ओडीडीएस के ज़रिए, हम उम्मीद करते हैं कि ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट की देखभाल ज़्यादा लोगों तक पहुँच सकेगी.

डॉ. ए. एस. भल्ला, सीनियर ईएनटी स्पेशलिस्ट और डायरेक्टर - सहारा हॉस्पिटल, ग्वालियर का कहना है, 'बड़े शहरों तक जाने में होने वाली दूरी और परेशानी की वजह से मरीज़ अक्सर स्पेशलिस्ट से इलाज कराने में देरी करते हैं। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के साथ हमारा सहयोग ग्वालियर में नियमित रूप से एडवांस्ड ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञता लाकर इस कमी को दूर करता है।

सूने मकान से एक लाख नकद, लाखों के जेवर पार

ग्वालियर 26 जुलाई. बहोड़ापुर थाना क्षेत्र की श्री विहार कॉलोनी में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के अनुसार गणेश मंदिर के पास श्री विहार कॉलोनी निवासी अरविन्द कुमार सक्सेना सेल्स अधिकारी हैं और डिल्लन फूड लिमिटेड में कार्यरत हैं। शुक्रवार को उनकी मामी सत्या की तबीयत बिगड़ने पर वह उनकी देखभाल के लिए शिंदे की छावनी स्थित उनके घर गए थे। घर पर ताला लगा हुआ था। इसी दौरान सूना घर देखकर अज्ञात चोरों ने ताले चटकाए और घर में रखी अलमारी से सामान चोरी कर लिया। शनिवार सुबह जब अरविन्द वापस घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित के अनुसार चोर अलमारी में रखे एक लाख रुपए नकद, तीन सोने की अंगूठी, एक ओम लिखा सोने का लॉकेट, आठ मनियों वाली सफेद मोतियों की माला, सोने के पेंडेंट वाला मंगलसूत्र और दो जोड़ी चांदी की पायल चोरी कर ले गए।

नवभारत

आवश्यकता है

पद की योग्यता

देश के अनेक राज्यों से प्रकाशित नवभारत समाचार पत्र समूह के ग्वालियर संस्करण के लिए निम्न पदों के लिए योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है।

मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव
(रीजनल)

एमबीए, बीबीए को प्राथमिकता

नोट - स्वयं का वाहन एवं कंप्यूटर में दक्षता अनिवार्य

संपर्क करें

कार्यालय - नवभारत प्रेस, एस.पी ऑफिस के सामने, सिटी सेंटर, ग्वालियर
(सुबह 11 से शाम 6 बजे तक)

9479319990

navabharatgwalior@gmail.com

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा सिटी सेंटर, ग्वालियर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., सिटी सेंटर से मुद्रित. संपादक हरीश दुबे* समाचार संपादक- अनिल शर्मा, फोन-0751-4086200, फैक्स- 2343200 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार डाक पंजीयन क्रमांक 507/2008/ग्वा. RNI Reg. No. 62237/95